

७ निया ठमस्ति यभि भणनि वानमात्र निकंट भारत्यात्र क्षिया विक भणनि इहैट हित्र हत् नि भ वान रहेगाथ ववर विवशै जम्मनिह्न ६ द्यान जानात्र थात्र प्यन जपारे जानगटक व्याह्या पिनाय। ८भन्न भागपु

My Mandamphis

NEW STREET ASI DISK 120 E B E 120 O C



-: ८० नर भावा ।:-

वाभि प्लिन पाठा कि वामात्र वमाना ७गुरिजगानग दिक्ट दिनान शुकात्र ७६त वागि पाठि पानी पाठिगुर कत्रिटिड-विवन्ध, क्षे ,दत्रश्य, वधु, दश्या, श्रेणापिमर्व ध्रकात्र श्रमानुत ७ त्रमानुदत प्रमणता व्यिकात्री श्री भ्या-नातिय ना ७ नातिरवक ना, कतिरम् छात्राभर्ष जारव भर्ष बाह्म बापानर बना हा अवाछिन वनिमा नमा वानाम वमा रहेट वज भग्नि क्वना वस्न वामाग्र विवजै ३ स्थान वामा मुख् मृद्याम ७ मानिक-শৌতাদি এনি ওয়ারিশানগণ এবমে পরম সুবে তোগ দখল ও বসবাস ক্রিতে রহেন ও থাকুন। তাহাতে-प्रथमका इष्णा छन्त्रण्य पानिक मत्रकारत त्रवर पांचलीयु अध्याखनीयु ण्यादन जापात्र नारमत्र नतियर्छ -जानवाज विषयं वाप आजी कत्रिया धार्याकृष वार्षिक थाजवापि जापायु कज़क है द्वाज विषयं ब गुद्ध पान ,

পের পাতাম \*\*\*



1 PS

-३८८४५ भावाऽः-

उनकित वर्षिठ मननि जामि पनित पाठा शिवनूत्वं अन्त काशद्वा निक्षे पान, विवन्त, क्षे, द्वश्तन, वमु, दश्वा, शैकानि दकाम श्रकात्र श्रमुच्य कति नाष्ट्रे वा श्रभुच्य कतात क्लिक दाश्तत मधिक वायम श्र ना है। मण्यून निर्मानी, निर्माय, निष्क्रक्रक ७ मण्यून पूछन जयम्बान बारङ ग्रमारम बाबनाज निक्षे मारु-दिवम्यु क्रियाम्।

छाका मधु अधि क कारिनु द्वारम् अना माथी क्षित ७ वामाद्व ७ धुर्गाद्वमानम्म माथी द्वाक्तक। ठमारम्म्यागुषानि जियेशहर दक्त भुका अक्षक छ। भुकान नाष्ट्रत जापि पनिन पाठा ७पुरिज्ञान बेस्प घृत्नात्र नाक्ना-

(व साठायुः , , , , , , ,

(भन्न भागपु ....७)

श्वात नगुम छ हुत्रमि । न ५ मारन इ विभि " ८७ म छा ८ में, है या इ कार छ " २०८ किम । मारा-किला- बाह्यपुनमन्छ, छनदक्षना छ भाव द्विकिन्धाही अभिन वसह व्यिम, भारवक ६२८५८ धम, व, ১० नघुह्र-त्योधा दक्षणानामिष्ठ, भि, धम, ७०० मर घात्न ६३६ मर नामकानी ६३६/ ४मर पात्र, तम, ३৮३० नमूत्र-थिएएटन ह भि, वभ, ७ वभ, व, ३३ ५५८वक् शहात्र नगुमण माणहात्र । नर मार्गत वात्र, वभ, ७३ ৮८८िच

वर्णार्थं त्युष्टामु, मुख्नादन, भूमश महीद्ध बदना इ दिना बुदबार नामु बच पनितन प्रपंतन र श्रीन मिर मण्यानम क्षिम्नाम। शिष्ट छात्रिम दारमा ३००० महम् । ४८६म मासनून, स्माधादनक ४-०-००१९। मुटला त माक्ला टीका त व्य प्रत्याथ नाष्ट्रपुर व्य निर्दाय माक क्यमा पनिन जा निम पनिन श्रिका त वजा बर्ज-

"उन्हिंस दिवजै छ भण्नहिंस महिए"।

भुटपुा खनटवारंघ छ ७० छन भ रत्ना घन पनिनचा पनिन पनिन ग्रहिण त्र बहायद्ध क्षिपुर पिर्ट वाधा ब्रिश्नाय।

श्रुकांच थारक रण, जिवेशराज लाज नाक कवना मनिरान रकाम श्रुकात जुन चाने भुकाच नाथरन जारिन जारिनजु

है छि। क्रिटन वापाइ बनामा ज्याय इ जन्याय है विक मण्यि द्वान निवाप छ विवाप पूर्वा छैश बापाय-क्त्रिया निरठ नातिरवन।



वाभि, जानशबु काबी भूमठान वाश्यम, भिणाष्ठ-काबी वायमूत्र त्रश्यान, भाक्नि-ध्यायात्रक्षी, छन्दबना-घठतत्र, किता-ठापभूत्र, बाठीयुठा-वार नारमी, धण्य-देशनाय, दम्मा-टिबाइडी।

निष्ठ भूक्तिका हो र नारमत्मत वानुमका भीकात महायून वाभिक्ता कथाकीरक वार नारमनी वर्के। बन मरनीय ण्या बड्डमण्याहि रमानुड क्रिया इस्म वार रमस्याया भरत्याक्ष क्षिनाय।

- ত্য কথাবর পদপত্তি হস্বানুর করা হইতেছে ঃ-70
- ादा वार्मात्मभ मानान वार्चन ३७ वश्मत्म अग्निष्ट व्यारन अप वारम्तन वरन वारम् (金)
- ठारा मीउठा ६० मणमान वार्ष ५ ५० ५२मटन इताणि सुभारत इ ५ ७ न ९ वारपरम इ ४८म मीउठा ६० मर (#)
  - नुष्टित एकान बाहिदन जाशान त्रकादत वर्षामु नाहै। (1)
- ठाशमनितन निर्धन जात्व वर्षिक श्रश्मात्व, जाशा मूना क्य त्मनात्ना श्रम् नाष्ट्र, जाश वामात्र श्रमानुत्र क्तिवात्र 公司
- भुण्णािविक समानुत वारमारमभ जूमिज मदर्गास मीमा निर्यात्रम बारिन ১৯ वरमदनत ज्ञाम् सुधादनत अधनर-ा देश अध्यात वर्षात वर्षात वर्षात्व वाक्षित स्पाना नदह । 7

जापि शुषिका भूषेक विविट्यिय, छैनद्वाकः वर्गमा वाषात्र क्षाम छ विभाग घटत मणभूने महा जापि वामाद्वाह-द्वितिकारीत मारक्षत्व मन्युद्ध शक्षित्र श्रवैद्धा व्या हमस्नायामम्भाषाम् कत्रिनाय। श्रेष्ठ ठात्रिय- न

रलक्कादीत्र भाक्त